



स मा चार

परिणाम मूलक विधायी कार्य में विधान सभा समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. शर्मा विधान सभा समितियों की संयुक्त बैठक संपन्न

भोपाल: 24 अगस्त, 2015

मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा है कि निष्पक्ष, निर्मल और परिणाम मूलक विधायी कार्य संचालन आदर्श लोकतांत्रिक प्रणाली की पहली आवश्यकता है। इससे लोकतंत्र को सही और स्वस्थ रूप मिलता है। वस्तुतः परिणाम मूलक विधायन से लोकतंत्र की सफलता सुनिश्चित होती है, जिसमें विधान सभा समितियां महती भूमिका का निर्वहन करती हैं।

विधान सभा अध्यक्ष डॉ. शर्मा आज विधान सभा सभागार में वर्ष 2015-2016 की अवधि के लिए गठित वित्तीय एवं सदन समितियों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। डॉ. शर्मा ने कहा कि विधान सभा समितियां दलीय बंधनों से दूर रह कर विधायन और उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि कृषि तथा उससे संबद्ध क्षेत्रों के विकास की दिशा में शासन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों एवं योजनाओं के पर्यवेक्षण तथा परीक्षण करने के लिए कृषि विकास समिति सहित आचरण समिति एवं स्थानीय निकाय एवं पंचायतीराज लेखा समिति का मध्यप्रदेश विधान सभा में प्रथमबार गठन किया गया है। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि समितियों की व्यापक कार्य प्रणाली से विधायिका एवं कार्यपालिका के मध्य परस्पर विश्वास बढ़ेगा और जन कल्याण कार्यों को मूर्त रूप मिलेगा।

नवगठित समितियों के सभापतियों एवं सदस्यगणों को हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए डॉ. शर्मा ने विश्वास जताया कि आप सभी योग्य सदस्यगण इन महत्वपूर्ण समितियों में अपनी भूमिका और दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने में सफल होंगे।

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र सहित लोक लेखा समिति के सभापति श्री महेन्द्र सिंह कालूखेड़ा, प्राक्कलन समिति के सभापति श्री गिरीश गौतम तथा सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के सभापति श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने भी संयुक्त समिति की बैठक को संबोधित किया। श्री कैलाश चावला, सभापति, विशेषाधिकार समिति द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

बैठक में विभिन्न समितियों के सभापति एवं सदस्यगण, विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री भगवानदेव ईसरानी, सचिव श्री ए.पी.सिंह सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

(मुकेश मिश्रा)
सूचना अधिकारी

म.प्र./वि.स./ज.स./15